भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

17.12.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 259 का उत्तर

हरियाणा के खरकरम जी गांव में रेलवे का हाल्ट

***259. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सोनीपत-जींद रेल लाइन पर खरकरम जी गांव में रेलवे हाल्ट उपलब्ध कराने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस संबंध में लिखित मांगें और सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त स्थान पर यात्रियों की संख्या, भू-तकनीकी स्थितियों और व्यवहार्यता के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के लिए उक्त प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कराने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 17.12.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 259 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): खरक रामजी गांव सोनीपत-जींद रेल लाइन पर दो नज़दीकी रेलवे स्टेशनों- ललित खेड़ा हाल्ट (एलटीकेआर) और पांडु पिंडारा हाल्ट (पीपीडीई) द्वारा सेवित है, जहां वर्तमान में दोनों स्टेशनों पर तीन (03) जोड़ी रेलगाड़ियों का ठहराव है।

स्टेशन खोलने की प्रक्रिया यात्रियों की संख्या, लागत, आवर्ती व्यय, परिचालनिक व्यवहार्यता और निकटतम स्टेशनों की दूरी आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करती है।

संसद सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालयों आदि सहित विभिन्न स्तरों पर, अन्य बातों के साथ-साथ, हाल्ट स्टेशन खोलने के लिए औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों प्रकार के प्रस्ताव/ अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होना एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इनकी जांच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य एवं उचित पाए जाने पर कार्रवाई की जाती है तथा इन अभ्यावेदनों का कोई केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है।

****